REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT HARYANA FOR THE YEAR 2018-2019.

During the year under report 2018-2019, Aviation centers of Haryana Institute of Civil Aviation situated at Hisar, Karnal and Pinjore continue provided flying training. Haryana Institute of Civil Aviation, Karnal Centre did 1893:20 hours against the target of 1500 flying hours. Haryana Institute of Civil Aviation, Hisar Centre did 107:40 hours against the target of 1500 flying hours. Due to Aircraft and Flying Instructors of Haryana Institution of Civil Aviation, Hisar were shifted at Karnal Civil Aerodrome on 10 May 2018 due to runway closure of Hisar aerodrome till 06 august 2018. Haryana Institute of Civil Aviation, Pinjore Centre did 1918:50 hours against the target of 1500 flying hours. During the year under report, pilot trainees of Hisar none pilot Licence, were got in the field of flying training. The pilot trainees of Karnal centre got 23 Student Pilot Licence, 01 Private Pilot Licence, 05 Commercial Pilot Licence, 04 C.P.L.(Conversion), and 01 Instrument Rating licence were got in the field of flying training. The pilot trainees of Pinjore Centre got 24 Student Pilot Licence, 06 Commercial Pilot Licence, 01 Flight Instructor Rating Licence, 01 Commercial Pilot Licence (Conversion), 04 Aeroplane Flight Instructor Rating Licence, 01 Instrument Rating licence and 03 Renewal Test Licence were got in the field of flying training.

The department also provides concessional flying training to the boys, girls and students of Scheduled Caste category of Haryana domicile, but no student had approached this department for such concession during the period under report.

State Govt. Helicopter EC-145 (VT-HRY) had done 634 flights of 328 hours and incurred expenditure of Rs 2,85,37,325 without any interruption.

State Govt. Aircraft VT-HCA had done 74 flights of 95:40 hours and incurred expenditure of Rs 12,90,519 without any interruption.

Dated, Chandigarh

(Apoorva Kumar Singh,IAS)
Principal Secretary to Govt. Haryana,
Civil Aviation Department.

सिविल विमानन् विभाग, हरियाणा की वर्ष 2018–2019 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

रिपोर्टाधीन वर्ष 2018–2019 के दौरान हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान (हिक्का) के सभी सैन्टर हिसार, करनाल तथा पिंजौर लगातार फ्लाईगं प्रशिक्षण प्रदान करते रहे। हिक्का के करनाल सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष 1893:20 घण्टे की उड़ान की। हिक्का के हिसार सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष 107:40 घण्टे की उड़ान की क्योंकि 06 अगस्त, 2018 तक हिसार एयरोड्रोम के रनवे क्लोजर के कारण सिविल एयरोड्रोम, हिसार के हवाई जहाज व फ्लाईग इंस्ट्रक्टर को दिनांक 10.05.2018 से सिविल एयरोड्रोम, करनाल में स्थानांतरित किया गया। हिक्का के पिंजौर सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के समक्ष 1918:50 घण्टे की उड़ान की । हिसार केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान उड्डयन के क्षेत्र में कोई भी पायलट लाईसैंस प्राप्त नहीं किये । करनाल कन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने 23 स्टूडैंटस पायलट लाईसैंस, 05 कामर्शियल पायलट लाईसैंस, 04 कामर्शियल पायलट लाईसैंस (कन्वर्सन), तथा 01 इंस्ट्रूमेन्ट रेटिग लाईसैंस प्राप्त किये। पिंजौर केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने 24 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस, 06 कामर्शियल पायलट लाईसैंस, 01 फलाईट इन्सट्रक्टर रेंटिग लाईसैंस, 01 सी.पी.एल. (कन्वर्सन), 04 एरोप्लेन फ्लाईट इन्सट्रक्टर रेंटिग लाईसैंस, 01 इंस्ट्रूमेन्ट रेटिग लाईसैंस एव 03 रिन्यूवल टैस्ट लाईसैंस प्राप्त किये।

विभाग द्वारा हरियाणा निवासी लड़के, लडकियों तथा अनुसूचित जातियों के पशिक्षणार्थियों को रियायती दरों पर फलाईंग का प्रशिक्षण दिया जाता है परन्तु रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान किसी भी प्रशिक्षणार्थी ने इस रियायत हेतु आवेदन नहीं किया ।

राज्य सरकार के हैलीकॉप्टर 'EC-145 (VT-HRY)' द्वारा बिना किसी रूकावट एवं दुर्घटना के, 328 घण्टों की 634 उड़ानें कीं जिस पर कुल रु0 2,85,37,325 का खर्चा हुआ ।

राज्य सरकार के हवाई जहाज VT-HCA द्वारा बिना किसी रूकावट एवं दुर्घटना के, 95:40 घण्टों की 74 उड़ानें कीं जिस पर कुल रु0 12,90,519 का खर्चा हुआ।

दिनांक चण्डीगढ

(अपूर्व कुमार सिंह, आई.ए.एस.)
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमान्न विभाग।

CRITIQUE ON ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT HARYANA FOR THE YEAR 2018-2019.

1. Haryana Institute of Civil Aviation did only 3919:50 hours of flying against the target of 4500 flying hours due to runway closure of Hisar Airport till 6.8.2018, traniner Aircraft and Instructors of Haryana Institution of Civil Aviation, Hisar were shifted at Karnal Civil Aerodrome on 10.5.2018.

2. Out of 08 trainer aircrafts, only 7 trainer aircraft remained serviceable during the year under report. The maintenance work of State Govt. Helicopter EC-145 (VT-HRY) was carried out by M/s Deccan Charter Pvt. Ltd., New Delhi as this arrangement was proved economical.

Dated, Chandigarh

(Apoorva Kumar Singh,IAS)
Principal Secretary to Govt. Haryana,
Civil Aviation Department.

सिविल विमान्न विभाग, हरियाणा की वर्ष 2018–2019 की प्रशासनिक रिपोर्ट पर समालोचना।

.....

1. रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान हरियाणा सिविल विमानन् संस्थान ने उड्डयन के क्षेत्र में 4500 घण्टों के लक्ष्य के समक्ष केवल 3919:50 घण्टे की फलाईंग की क्योंकि 06 अगस्त, 2018 तक हिसार एयरोड्रोम के रनवे क्लोजर के कारण सिविल एयरोड्रोम, हिसार के हवाई जहाज व फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर को दिनांक 10.05.2018 से सिविल एयरोड्रोम, करनाल में स्थानांतरित किया गया।

2. रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 08 ट्रेनर हवाई जहाजों में से केवल 7 जहाज चालू हालत में रहे। विभाग ने राज्य सरकार हैलीकॉप्टर EC-145 (VT-HRY) की मैंटीनैंस का कार्य मै0 डैकन चार्टर प्राईवेट लि0, नई दिल्ली से करवाया जोकि आर्थिक दृष्टि से किफायती रहा ।

दिनांक चण्डोगढ

(अपूर्व कुमार सिंह, आई.ए.एस.)
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमान्न विभाग।

हरियाणा चौकसो विभाग की वार्षिक रिपोर्ट 2018–2019

इस कार्यालय के अनुसार हरियाणा सिविल विमानन विभाग द्वारा वर्ष 2018–19 में हरियाणा चौकसी विभाग को कोई भी केस भेजा नहीं गया।

सिविल विमान्न विभाग, हरियाणा की वर्श 2018–2019 की वार्शिक प्र"ाासनिक रिपोर्ट।

सिविल विमान्न विभाग, हरियाणा की स्थापना का उद्दे"य राज्य के लोगों को विमान्न के प्रति जागरूक करना है। विभाग ने फ्लाईंग, ग्लाईडिंग तथा एयरक्राफ्ट मंटीनैंस इंजीनियर को अप्रैंटी"ाप प्र"ाक्षण देने हेतु हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान (सोसाईटी रजिस्ट्रे"ान एक्ट 1860 के अर्न्तगत एक स्वायत संस्था) की स्थापना की है । विभाग की मुख्य गतिविधियां निम्न प्रकार से हैं:–

1. राज्य में सिविल हवाई पट्टियों तथा हैलीपैडों का निर्माण करना, वर्तमान हवाई पट्टियों का रख–रखाव तथा विकास जिसमें नैवीगे"ान की सुविधाएं भी सम्मिलित हैं।

2. लड़के तथा लड़कियों को हवाई जहाज के कोमर्"ायल/ व्यवसायिक पायलट, ग्लाईडर क पायलट तथा पायलट इंसट्रक्टर के लाईसैंसों के लिये फ्लाईंग तथा ग्लाईडिंग ट्रेनिंग तथा एयरक्राफ्ट मैंटीनैंस इंजीनियर के लाईसैंस के लिये अप्रैंटी"ाप ट्रेनिंग प्रदान करना।

3. हरियाणा निवासी लड़के तथा लडकियों को छात्रवृति तथा रियायती दरों पर फ्लाईंग तथा ग्लाईडिंग की ट्रेनिंग देना और हरियाणा विमान्न संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करना ।

4. प्र"ाक्षण के लिये हवाई जहाज़, ग्लाईडर तथा अन्य एवियोनिक्स म"ाोनरी तथा एक्यूपमैंट का प्राप्त करना तथा रख–रखाव करना।

5. राज्य के गणमान्य व्यक्तियों के लिये हवाई सवा प्रदान करना।

क. <u>सिविल हवाई अड्डों/हैलीपैडों की स्थापना तथा रख–रखाव</u>

इस समय राज्य में पांच सिविल हवाई पट्टियां पिंजौर, करनाल, हिसार, भिवानी तथा नारनौल में हैं, इसके अतिरिक्त दो रक्षा हवाई अड्डे सिरसा तथा अम्बाला में हैं। इन सभी हवाई पट्टियों पर दि"ाा ज्ञान (नैवीगे"ानल) सहायता साधन जैसे कि नॉन–डायरैक्"ानल बीकन, ग्राउंड रेडियो स्टे"ानज तथा रोटेटिंग बीकनज लगे हुए हैं जो कि राज्य के प्र"ाक्षण तथा वी.आई.पी. हवाई जहाज़ एवं बाहर के हवाई जहाज़ों को नैवीगे"ान की सुविधा प्रदान करते हैं। इन सभी हवाई पट्टियों का रख–रखाव भली–भान्ति किया जा रहा है तथा इस्तेमाल योग्य हैं ।

ख.	फ्लाईग, ग्लाईडिंग तथा एयरक्राफ्ट मैंटीनैंस इंजीनियर अप्रैंटीशिप की ट्रेनिंग प्रदान करना।

राज्य में हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान (हिक्का) के तीन विमानन ट्रेनिंग सैंटर पिंजौर, करनाल तथा हिसार में हैं जहां पर प्रशिक्षणार्थियों को फ्लाईग तथा ग्लाईडिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है। एन.सी.सी. के विद्यार्थियों को भी इस सुविधा का लाभ प्रदान किया जाता है। ग्लाईडिंग के प्रशिक्षण की सुविधाएं केवल हिसार तथा पिंजौर में ही उपलब्ध हैं लेकिन ग्लाईडर सर्विसेबल न होने के कारण ग्लाईडिंग प्रशिक्षण नहीं दिया जा सका। इन सभी सैन्टरों में एयरकाफट मैंटीनैंस इंजीनियर अप्रैंटीशिप की ट्रेनिग की सुविधा का लाभ भी दिया जाता है।

रिपोर्टाधीन वर्श 2018–2019 के दौरान संस्थान द्वारा फ्लाईग की उपलब्धियां निम्नलिखित रहीं:–

सैंटर का नाम	फ्लाईग घण्टों में	
	लक्ष्य	उपलब्धियां
हिसार	1500	107:40
करनाल	1500	1893:20
पिंजौर	1500	1918:50

फ्लाईग की उपलब्धियों में कमी नये जहाज उपयोग में न होने के कारण एवं मार्किट में फ्लाईट इंसट्रक्टर की दुर्लभता तथा पुराने प्रशिक्षण के हवाई जहाजों के कारण रही । रिपोर्टाधीन अवधि में 107 प्रशिक्षणार्थियों ने हवाई जहाज का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

रिपोर्टाधीन वर्श 2018–2019 के दौरान संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित लाईसैंस प्राप्त किये :–

Name of Centre	SPL Student Pilot Licence	PPL Private Pilot Licence	PPL Conversion	CPL Commercial Pilot Licence.	CPL Conversion	AFIR Asstt. Flight Instructor Rating	FIR Flight Instructor Rating	IR Instrument Rating	IR Renewal Test
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
Hisar	00	00	00	00	00	00	00	00	00
Karnal	23	01	00	05	04	00	00	01	00
Pinjore	24	00	00	06	01	04	01	01	03

ग. हरियाणा निवासी लड़के तथा लड़कियों को रियायती दरों पर फ्लाईंग तथा ग्लाईडिंग का प्रि"ाक्षण प्रदान करने के लिये छात्रवृति देना तथा हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

हरियाणा निवासी लड़के, लड़कियों तथा अनुसूचित जातियो से सम्बन्धित प्रि"ाक्षणार्थियों को स्कोलरि"ाप एवं हरियाणा फ्लाईंग कोटा के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है। रिपोर्टाधीन वर्श के दौरान अनुसूचित जाति का कोई प्रि"ाक्षणार्थी नहीं था । इन विमानन ट्रेनिंग सैंटरों में लड़कों के लिये होस्टल की सुविधा भी उपलब्ध है। रिपोर्टाधीन वर्श के दौरान प्रि"ाक्षणार्थियों को उड्डयन प्रि"ाक्षण प्रदान करने के लिये हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान को वित्तीय सहायता के रूप में 80 लाख रूपये की रा"ि ग्रान्ट–इन–एड के रूप में दी गई।

घ. प्रि"ाक्षण के हवाई जहाज,ग्लाईडरों तथा अन्य एवियोनिक्स म"ीनरी एवं एक्यूपमैंट की अधिप्राप्ति तथा रख रखाव ।

रिपोर्टाधीन वर्श के दौरान 08 प्रि"ाक्षण के हवाई जहाजों में से निम्नलिखित प्रि"ाक्षण के जहाज चालू हालत में रहेः–

प्रि"ाक्षण केन्द्र का नाम	सर्विसेबल हवाई जहाज
हिसार	01
पिंजौर	03
करनाल	03

ड़. राज्य के गणमान्य व्यक्तियों के लिये हवाई यातायात की सुविधा प्रदान करना वी.आई.पी. हैलीकॉप्टर EC-145(VT-HRY) द्वारा 328 घण्टों की 634 उड़ानें बिना किसी रूकावट एवं दुर्घटना के कीं। हैलीकाप्टर के रखरखाव का कार्य मैं0 डैक्कन चार्टर प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली से करवाया जो कि किफायती रहा ।

1. हिसार में अंतराश्ट्रीय विमान्न हब का विकास

दिनांक 29.12.2014 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा द्वारा हिसार हवाई अड्डे को अंतराश्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की घोशणा की थी।

10 मार्च, 2019 को इच्छुक डवैलपरज के साथ की गई बैठक के उपरान्त एवं परामर्शदाता की सिफारिशों और परिचर्चाओं के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर चरणबद्ध तरीके से एक समेकित विमानन हब की योजना बनाई गई है जिसमें निम्नलिखित गतिविधियां भाामिल होंगी :

क. चरण–I

- रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत घरेलू हवाई अड्डा

ख. चरण– II

- छोटे स्तर पर एमआरओ
- फिक्स्ड बेस ऑपरेशंस (एफबीओ)
- प्रतिरक्षा विनिर्माण और प्रतिरक्षा एमआरओ

ग. चरण– III

- एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग
- विमानन प्रशिक्षण केंद्र और विमानन विश्वविद्यालय
- अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
- एरोट्रोपोलिस – वाणिज्यिक और आवासीय

(I) भूमि स्थानांतरण

- राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से संबंधित मौजूदा हवाई पट्टी के निकट 4200 एकड़ भूमि एकीकृत विमानन हब की स्थापना के लिए चिह्नित की गई है। इस भूमि को नागरिक उड्डयन विभाग को हस्तांतरित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री से स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है।
- हरियाणा के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 30.06.2017 को एक बैठक हुई थी जिसमें सभी विभाग नागरिक उड्डयन विभाग को भूमि हस्तांतरित करने के लिए सैद्धांतिक रूप में सहमत हो गए थे। इस संबंध में औपचारिक अधिसूचना जारी की जा रही है।

(II) चरण –1 रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत घरेलू हवाई अड्डा

- अल्पावधि में, यह निर्णय लिया गया कि इस हवाई अड्डे को भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय की उडान योजना के तहत रीजनल कनेक्टिविटी सर्विस हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस योजना का संपूर्ण उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई परिवहन को सस्ता बनाना है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, केन्द्र और राज्य सरकारें क्षेत्रीय मार्गों पर विमान सेवाओं के संचालन की लागत में कमी करेंगी और ऑपरेटरों के राजस्व

अंतर, यदि कोई हो, को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेंगी। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के माध्यम से श्रेणी–III हवाई अड्डे के

लिए ओएलएस अध्ययन, पीसीएन मूल्यांकन परीक्षण और मौजूदा हवाई पट्टी के लिए सरफेस फ्रिक्”ान टैस्ट करवाए गए हैं।

- केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय, हरियाणा सरकार और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (कार्यान्वयन एजेंसी) के बीच 07.07.2017 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- हिसार में अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब के विकास और प्रदे”ा में अन्य हवाई अड्डों के विकास के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए हरियाणा के नागरिक विमानन विभाग और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के बीच 11.12.2017 को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- हितधारकों से परामर्”ों के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर हरियाणा सरकार, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण और केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन में पहले से ही दिए गए प्रोत्साहन के अलावा को गई पेशकश प्राप्त विचार–विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया था। आरसीएस के लिए हिसार को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में पेश करने की जरूरत है।

(क) पार्किंग और लैंडिंग शुल्क को मोटे तौर पर भारतीय एयरपोर्ट प्राधिकरण की तर्ज पर युक्तिसंगत बनाया जाएगा ताकि हिसार हवाई अड्डा पार्किंग और बेसिंग के संचालन के लिए एक पसंदीदा स्थल बन सके।

V) अगले 18 महीनों के भीतर चरण II की गतिविधियां तथा चरण III की डी पी आर के निश्पादन को पूरा करने की योजना है। सिविल विमान्न विभाग कला नेवीगे”ान सुविधाओं की स्थिति के साथ रात को लैंडिंग की सुविधा और एयरबस ए–320 जैसे बड़े विमानों के लिए पार्किंग की सुविधा सहित रनवे का विस्तार 4000 फुट से 10,000 फुट तक करने के लिए तकनीकी ड्राईंग तथा मास्टर प्लान बनाने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारत सरकार को अध्ययन करने के लिए अनुरोध किया हुआ है।

क) यात्री टर्मिनल बिल्डिंग को लगभग 50 यात्रियों के लिए तैयार किया गया है

ख) मौजूदा 1220X45 मीटर हवाई पट्टी का पुनर्निर्माण किया गया है

ग) मौजूदा टैक्सी ट्रैक का विस्तार और नये टैक्सी ट्रैक का निर्माण किया गया है

घ) पार्किंग के लिए नया एप्रोन तैयार किया गया है

ड) चार दीवारी की मरम्मत और बीसीएएस द्वारा सुरक्षा लेखा परीक्षण किया गया है।

च) एटीएस सेवाओं के लिए एटीसी भवन का एन्हांसमेंट जारी है

छ) अग्निशमन उपकरण का उन्नयन किया गया है

ज) बीसीएएस द्वारा विमानन संबंधित कार्यों के लिए राज्य पुलिस का प्रशिक्षण करवाया गया है

vi) माननीय मुख्य मंत्री महोदय द्वारा दिनांक 15.08.2018 को हिसार हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का उद्घाटन कर दिया गया है।

vii) हिसार में एकीकृत विमानन हब के विकास के प्रथम चरण – रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत जनवरी, 2020 से हिसार हवाई अड्डे से आरसीएस उड़ान भुरू की जाने की संभावना है।

viii) महानिदे"ाक, सिविल विमानन भारत सरकार ने हिसार हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों के संचालन के लिए दिनांक 27.09.2018 को एरोड्रोम लाईसैंस जारी कर दिया है।

ix) हिसार एयरपोर्ट पर बड़े विमानों (एयरबस ए–320/बोइंग 737) के आवास के लिए तीन हैंगरों का निर्माण प्रा किया जायेगा तथा जनवरी, 2020 से एमआरओ सुविधाओं की भुरूआत होगी।

xi) वित्त विभाग ने हिसार–चंडीगढ़–देहरादून, हिसार–चंडीगढ़–जम्मू, हिसार–जयपुर के बीच फिक्स्ड विंग भाटल सेवाएं प्रदान करने के लिए ऑपरेटरों को व्यवहार्य गैप फंडिंग (वीजीएफ) देने के लिए मंज्री दे दी है।

(IV) चरण– **II** (लघु स्तरीय एमआरओ, फिक्स्ड बेस ऑपरेशंस (एफबीओ), प्रतिरक्षा विनिर्माण और प्रतिरक्षा एमआरओ)

आरसीएस के तहत यात्री संचालनों को प्रारंभ करने के अतिरिक्त एयरलाइंस/ ऑपरेटरों ने हिसार हवाई अड्डे से सब बेस संचालन (रात्रि पार्किंग, रखरखाव, प्रशिक्षण, फ्यूलिंग और एयर क्रू बेसिंग) के साथ–साथ एमआरओ गतिविधियां शुरू करने में गहरी रुचि दिखाई है। एयरलाइन और ऑपरेटर सभी मौसम, विशेष रूप से सर्दियों में संचालन के लिए दिल्ली हवाईअड्डे पर उपलब्ध नेविगेशन और परिचालनात्मक सुविधाओं जैसी ही सुविधाएं चाहते हैं। ऑपरेटरों ने यह भी सुझाव दिया है कि इस स्थिति में हिसार हवाईअड्डा आकस्मिकता/खराब मौसम के मामले में दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के ट्रैफिक को अवशोषित करने का एक पथांतरित एयर फील्ड बन जाएंगे। उक्त के आधार पर निम्न प्रस्ताव हैं :–

क) मौजूदा हवाई पट्टी को 4000 फुट से बढ़ाकर 10000 फुट करना

ख) समानांतर टैक्सी मार्ग विकसित करना।

ग) पार्किंग के लिए एपरेन्स का निर्माण

घ) हैंगर्स का निर्माण

ड) रात में लैंडिंग सुविधाओं की व्यवस्था।

च) उन्नत नेविगेशनल एड्स का प्रावधान

(V) हिसार हवाई अड्डे को 10,000 फुट तक बढ़ाना

i) हिसार हवाई अड्डे के रनवे की लम्बाई 10,000 फुट तक बढ़ाने के कार्य का शिलान्यास माननीय मुख्य मंत्री, हरियाणा के द्वारा 03.03.2019 को किया गया।

(VI) हिसार हवाई अड्डे के एयरोड्रोम लाईसैंस का नवीनीकरण

i) हिसार हवाई अड्डे के एयरोड्रोम लाईसैंस का 26.09.2020 तक नवीकरण महानिदेशक, सिविल विमान्न भारत सरकार द्वारा कर दिया गया है।

(VI) चरण– **III** (एयरोस्पेस विनिर्माण, विमानन प्रशिक्षण केन्द्र एवं विमानन विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, एरोट्रोपोलिस – वाणिज्यिक और आवासीय)

इस प्रयोजन के लिए मास्टर योजना, विस्तृत यात्री सर्वेक्षण और पूर्वानुमान अध्ययन सहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करनी होगी जिसके बाद तय मॉडल के अनुसार (पीपीपी, बीओटो, डीबीएफटी आदि) अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब विकसित करने के लिए पात्र बोलीदाताओं को आमंत्रित किये जाने का प्रस्ताव है। इस प्रयोजन के लिए विभाग, एएआई या राइट्स, जिन्हें इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल है, की सेवाएं ले सकता है।

(VI) संस्थागत रूपरेखा :

एक तत्काल कदम के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब के लिए एक संयुक्त कार्य दल का गठन किया गया है ताकि हरियाणा सरकार को इन–हाउस तकनीकी निर्णय लेने और पूरी प्रक्रिया में तेजी लाने में सक्षम बनाया जा सके।

(VII) दिल्ली और हिसार के बीच रेल लिंक को बढ़ाने के लिए प्रस्ताव

नई दिल्ली में 29.12.2017 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा और माननीय केंद्रीय मंत्री के बीच बैठक हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली और हिसार के बीच सीधे रेल कनेक्शन के लिए काम तेज किया जाएगा और उसे सुपर फास्ट ट्रेनों को समायोजित करने के लिए उचित रूप से मजबूत किया जाएगा। इससे हिसार और नई दिल्ली के बीच यात्रा के लिए दूरी और समय कम हो जाएगा और हिसार में अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब की व्यवहार्यता में भी वृद्धि होगी।

(VIII) दिल्ली से हिसार तक नियंत्रित पहुंच एक्सप्रेसवे विकसित करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली में 22.12.2017 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा और माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के बीच बैठक हुई। यह निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली और हिसार के बीच मौजूदा चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग को दो शहरों के बीच तेजी से कनेक्टिविटी के लिए छह लेन नियंत्रित पहुंच एक्सप्रेसवे में परिवर्तित किया जाएगा। इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और हिसार में अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब की व्यवहार्यता में वृद्धि होगी।

2. भिवानी, नारनौल, करनाल और पिंजौर में मौजूदा हवाई पट्टियों के विस्तार और ए एण्ड डी औद्योगिक सम्पदाएं विकसित करने का प्रस्ताव

नागरिक विमानन विभाग को भिवानी, नारनौल, करनाल और पिंजौर में मौजूदा हवाई पट्टियों की 3000 फीट की वर्तमान लंबाई को 5000 फीट तक करने और पार्किंग और एमआरओ गतिविधियों के लिए दिल्ली हवाई अड्डे से स्पिलओवर के समायोजन के लिए स्थल विकसित करने का प्रस्ताव है। विभाग ने इन हवाई अड्डों के पास ए एंड डी/संबंधित उद्योगों के विकास के लिए अतिरिक्त भूमि अधिगृहित करने का भी प्रस्ताव किया है। करनाल हवाई अड्डे के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता को ई–भूमि पोर्टल पर अपलोड किया गया है। शेष हवाई अड्डों के लिए भूमि की आवश्यकता का आकलन किया जा रहा है और शीघ्र ही राज्य सरकार के ई–भूमि पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

3. नारनौल (हरियाणा) में एयरोस्पोर्टस का प्रचार

सिविल विमान्न विभाग राज्य में एयरोस्पोर्टस गतिविधियों को भाुरू करने का प्रस्ताव है। प्रारंभ में, ऐसी गतिविधियां बाच्छौद (नारनौल) हवाई पट्टी पर (हॉट एयर बुलूनिंग, पैरा सैलिंग) 3 महीने की अवधि के लिए वाणिज्यिक परीक्षण के आधार पर प्रारम्भ करने की योजना है। मै0 पाइयोनिर प्रा0 लि0 ने एयरोस्पोर्टस गतिविधियां नवम्बर, 2018 से भाुरू कर दी है।

4. चंडीगढ़ में नए अंतर्राष्ट्रीय सिविल एयर टर्मिनल का विकास : –

नए अंतर्राष्ट्रीय सिविल एयर टर्मिनल, चंडीगढ़ के विकास के लिए 4.1.2008 को भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, पंजाब सरकार और हरियाणा सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारतोय हवाई अड्डा प्राधिकरण 51 प्रति"ात और पंजाब एवं हरियाणा सरकार 24.5–24.5 प्रति"ात इक्विटी शेयर धारक होंगे। यह हवाई अड्डा नवंबर मास से फ्लाइंग ऑपरेशन के लिए चालू हो गया है। माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 11.09.2015 को इस परियोजना का उद्घाटन किया गया। वर्तमान में भारतीय

हवाई अड्डा प्राधिकरण/नागर विमानन मंत्रालय भारत सरकार के साथ इस परियोजना के दो मुद्दे लंबित हैं।

i) कनेक्टिविटी के लिए प्रत्यक्ष पहुंच सड़क :

माननीय पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट, चण्डीगढ़ ने दिनांक 11.05.2018 को CWP 27436 **(Mohali Industries Association V/s Union of India and others)** के तहत आदे"ा जारी के किए थे कि डी एम आर सी द्वारा तकनीकी व्यवहायता अध्ययन दिनांक 25.05.2018 या उससे पहले जमा करवाई जाये। डी एम आर सी द्वारा चण्डीगढ़ हवाई अड्डे पर सक्रिय रनवे और भविश्य के समांतर टैक्सी ट्रैक के नीचे एक अंडरपास के निर्माण के लिए तकनीकी–आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन मसौदा प्रस्तुत कर दिया गया है। मामला परीक्षाधीन है।

ii) चंडीगढ़ में सिविल एयर टर्मिनल का नाम बदलना

चंडीगढ़ के सिविल एयर टर्मिनल का नाम बदलने के संबंध में 31 मार्च, 2016 को हरियाणा विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके उपरांत चंडीगढ़ के सिविल एयर टर्मिनल का नाम बदल कर ''शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, चंडीगढ़'' करने क संबंध में माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा माननीय नागरिक विमानन राज्य मंत्री, भारत सरकार को एक अर्ध–सरकारी पत्र दिनांक 08.04.2016 को लिखा गया था।

सिविल विमानन् विभाग, हरियाणा, वर्ष 2018–2019.

रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित मन्त्री–ईन–चार्ज/अधिकारीगण सिविल विमान्न विभाग में पदस्थ रहेः–

क्र.स.	पद	नाम व अवधि
1.	मन्त्री–इन–चार्ज	श्री राव नरबीर सिंह
2.	अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,सिविल विमानन विभाग ।	श्री देवेन्द्र सिंह, आई.ए.एस.
3.	विशेष सचिव, हरियाणा सरकार, सिविल विमान्न विभाग।	श्री अशोक सांगवान, आई.ए.एस.
4.	सलाहकार ,सिविल विमानन् हरियाणा	श्री अशोक सांगवान, आई.ए.एस.
5.	सीनियर एग्जीक्यूटिव पायलट,सिविल विमानन् विभाग	1. विगं कमाण्डर (रिटायर्ड) डी0 एस0 नेहरा 2. विगं कमाण्डर (रिटायर्ड) पी0के0डिड्डी
6.	हैलीकॉप्टर पायलट	ग्रुप कैप्टन निखिल नायडू (प्रतिनियुक्ति पर)
7.	जूनियर पायलट	कैप्टन दिनेश बंसल
8.	लेखा अधिकारी	श्री सेवा सिंह
9.	प्रशासकीय अधिकारी	श्री नरेश कुमार
10.	सहायक मैंटीनैंस अभिंयता	श्री हरप्रीत सिंह सैनी
11.	असिसटैंट हैलीकाप्टर इंजीनियर	श्री राकेश कुमार शर्मा
12.	फ्लाईट डिस्पैचर	श्री नरेन्द्र वर्मा

हरियाणा सिविल विमानन संस्थान (हिक्का) के अधिकारियो की सूची जो वर्ष 2018–2019 की अवधि के दौरान सम्बन्धित रहे :–

क्र.स.	पद	नाम व अवधि
1.	प्रधान	श्री राव नरबीर सिंह,
2.	अतिरिक्त मुख्य सचिव	श्री देवेन्द्र सिंह, आई.ए.एस
3.	मुख्य कार्यकारी निदेशक	श्री अशोक सांगवान, आई.ए.एस.,
4.	कार्यकारी निदेशक	1. कैप्टन दिनेश पुनिया (01.04.2018 से 30.04.2018) तक 2. श्री दीपक भारद्वाज (01.05.2018 से 17.10.2018) 3. ग्रुप कैप्टन, ए.एस. गिल (सेवानिवृत) (17.10.2018 से 31. 03.2019)
5.	एयरकाफ्ट इंजीनियर हिक्का करनाल	श्री स्वपन बरुआ
6.	चीफ एयरकाफ्ट इंजीनियर हिक्का (पदस्थ, हवाई अड्डा हिसार)	मो0 इजराइल हूसैन
7.	डिप्टी चीफ फ्लाईग इंस्ट्रक्टर,हिक्का करनाल	कैप्टन मोहित मोहन शर्मा
8.	चीफ फ्लाईग इंस्ट्रक्टर, हिक्का (पदस्थ, हवाई अड्डा पिंजौर)	कैप्टन डी.के.पुनिया
9.	एयरकाफ्ट इंजीनियर, हिक्का पिंजौर	श्री गगनदीप सिंह
10.	चीफ ग्राउन्ड इंस्ट्रक्टर, हिक्का पिंजौर	श्री दीपक भारद्वाज